

पढ़िए आपके 6 ऐसे अधिकार जिन्हें कोई कानून बनाकर भी छीन नहीं सकता- The Constitution of India



लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

निश्चित तौर पर सभी जानते हैं कि भारत में जन्म लेने वाले प्रत्येक नागरिक को कुछ ऐसे अधिकार प्राप्त होते हैं जो उसके अपने अथवा भारत देश के अस्तित्व रहने तक कोई छीन नहीं सकता। यहाँ तक कि सरकार भी कानून बनाकर आपके उन अधिकारों का हनन नहीं कर सकती, उसमें किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं कर सकती। यदि कोई भी ऐसा करता है तो सुप्रीम कोर्ट आपके अधिकारों की रक्षा करता है। आइए जानते हैं वह छह अधिकार जिन्हें कोई आपसे छीन नहीं सकता।

भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकार-

1. समता (समानता) का अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18 तक)।
2. स्वतंत्रता (आजादी) का अधिकार (अनुच्छेद 19 से 22 तक)।
3. शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 से 24 तक)।
4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28 तक)।
5. संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30 तक)।
6. संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)।

यह मूल अधिकार, भारत के संविधान द्वारा भारत के नागरिकों को दिए गए हैं। ग्राम पंचायत से लेकर केंद्र सरकार तक कोई भी सदन किसी भी प्रकार का नियम और कानून बनाकर किसी भी नागरिक के मूल अधिकार का उल्लंघन तो दूर की बात, प्रभावित करने का प्रयास भी नहीं कर सकता। यदि कोई ऐसा करता है तो वह नियम अथवा कानून भारतीय संविधान अधिनियम, 1950 का अनुच्छेद 13 के तहत पूर्ण एवं प्रारम्भ से ही शून्य (अवैध) माना जाएगा।

नोट- छः प्रकार के मौलिक अधिकारों को हम सरल भाषा में प्रतिदिन के लेखों में वर्णन करेंगे ताकि भारत के प्रत्येक नागरिक आपने मौलिक अधिकार को ज्ञान सके एवं भारत के संविधान को सरल एवं स्पष्ट भाषा में समझ सके।

प्रधानमंत्री मोदी से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की आत्मीय भेंट

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए किया आमंत्रित



भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से आत्मीय भेंट कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में जारी विकास कार्यों, जनकल्याणकारी पहलों, उपलब्धियों, निवेश और प्रदेश की प्रगति से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष

2027 में मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी को आमंत्रित किया। उन्होंने प्रदेश में निवेश के लिए तैयार किए जा रहे अनुकूल वातावरण, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में प्रारंभ की गई 'मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा' के संबंध में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को अवगत

कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 17 सितंबर से प्रदेश में संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत प्रदेशभर में आयोजित की जा रही विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को दी। उन्होंने अभियान के माध्यम से जनभागीदारी, सेवा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न आयोजनों के बारे में अवगत कराया।

आपने कहा मारो साले को, और आपका समर्थक हत्या कर दे, तो आपका क्या होगा, जानिए :- legal advice

जहाँ कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को चोरी करने के लिए उकसाता (provoke) है और अपराध करने वाला मुख्य आरोपी, चोरी (Theft) के स्थान पर हत्या (Murder) कर देता है, तब उकसाने (Incitement) वाले व्यक्ति को हत्या का दोषी (Guilty) नहीं माना जाएगा। उसे केवल चोरी के अपराध के लिए दंडित (Punished) किया जाएगा, चाहे उसने चोरी के अपराध का सहयोग (Abetment) मात्र ही क्यों न किया हो। जानिए। भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 50 की परिभाषा- जो कोई व्यक्ति किसी अपराध का सहयोग (Abetment) करता है और अपराध करने वाला दुष्प्रेरित (Misguided) व्यक्ति उस अपराध के स्थान पर कोई अन्य अपराध कर देता है (Consequences), तब सहयोग करने वाले व्यक्ति को उसी अपराध के दंड से दण्डित किया जाएगा जिसका उसने सहयोग किया था। सुप्रीम



लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

कोर्ट का महत्वपूर्ण निर्णय जानिए। मातादीन बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले में, एक सह-आरोपी ने लड़ाई के दौरान 'मारो साले को' कह दिया था। मुख्य आरोपी ने मृतक के पेट में चाकू से वार कर दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। सह-आरोपी के ऊपर भी धारा 302/34 का मामला दर्ज हुआ। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अभिनिर्धारित किया कि शब्द 'मारो साले को' का अर्थ दो प्रकार का हो सकता है-पहला, पीटना और दूसरा, व्यक्ति को मार डालना। चूँकि यह संदेह के परे है, इसलिए सह-आरोपी को हत्या के अपराध से दण्डित करना न्यायोचित नहीं है। अतः, सह-आरोपी को धारा 302/34 के स्थान पर धारा 324/110 के अंतर्गत दोषसिद्ध किया जाना न्यायोचित होगा।

संध्या छाया वृद्धाश्रम में वरिष्ठजनों का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

डॉ. कैलाशनाथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान (काटजू हॉस्पिटल), भोपाल की नोडल एवं सेंटर हेड डॉ. रचना दुबे द्वारा बताया गया कि संध्या छाया वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठजनों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. रचना दुबे, नोडल एवं सेंटर हेड, डॉ. कैलाशनाथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान, भोपाल द्वारा महिला वरिष्ठजनों का स्त्री रोग संबंधी स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श प्रदान किया गया। इसके साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, नेत्र परीक्षण एवं ईसीजी सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांचें की गईं। शिविर के दौरान वरिष्ठजनों को फिजियोथेरेपी संबंधी परामर्श भी दिया गया तथा आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। इस अवसर पर सेवा भारती के प्रांताध्यक्ष डॉ. पी. एस. बिंद्रा सहित संस्था के अन्य सदस्य एवं स्वास्थ्यकर्म उपस्थित रहे।



शिविर का उद्देश्य वरिष्ठजनों को उनके निवास स्थल पर ही आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना रहा।

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत आंगन मिलन सेवा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत आंगन मिलन सेवा के तहत बाणगंगा परियोजना के आंगनवाड़ी केंद्र सूरज नगर में संवाद, सहभागिता एवं जनजागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों को सही पोषण, स्वास्थ्य तथा कुपोषण से बचाव के प्रति जागरूक करना रहा। महिला एवं बाल विकास विभाग एवं मुस्कान संस्था के संयुक्त प्रयास से आयोजित कार्यक्रम में पोषण मटका और विभिन्न पौष्टिक खाद्य पदार्थों के माध्यम से संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व को सरल तरीके से समझाया गया। उपस्थित महिलाओं एवं परिवारों को दैनिक आहार में स्थानीय एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करने तथा बच्चों एवं माताओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आंगन मिलन सेवा के परिचय के साथ हुई। इसके बाद सामूहिक रूप से 'आंचल के तुझे मैं लेके चलूँ, एक ऐसे गगन के तले' गीत प्रस्तुत किया गया,



जिससे कार्यक्रम में उत्साह और अपनत्व का वातावरण बना। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। विभिन्न शासकीय योजनाओं का

लाभ प्राप्त कर रहे हितग्राहियों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि इन योजनाओं से उन्हें किस प्रकार लाभ मिला। उनके अनुभवों से अन्य महिलाओं को भी

शासकीय योजनाओं एवं उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी लेने के लिए प्रोत्साहन मिला। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को पोषण एवं कुपोषण मुक्त

समाज के निर्माण की शपथ दिलाई गई। प्रतिभागियों ने बच्चों, किशोरों एवं महिलाओं को कुपोषण से मुक्त, स्वस्थ एवं मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभाने तथा राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान हर घर तक सही पोषण का संदेश पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र की दोनों आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के योगदान का सम्मान किया गया। उन्हें श्रीफल एवं शॉल भेंट कर समुदाय में पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता फैलाने के लिए उनके निरंतर प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों को फलों का वितरण कर किया गया। पूरे आयोजन में महिलाओं, किशोरियों, माताओं एवं बच्चों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के माध्यम से समुदाय में पोषण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी बढ़ाने के साथ सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता की भावना को भी मजबूत किया गया। सही पोषण, स्वस्थ परिवार और मजबूत समाज—इसी संकल्प के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

एम्स भोपाल में आठवां ज़ोनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी कॉन्क्लेव संपन्न राज्यों के प्रतिनिधि हुए शामिल



रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

एम्स भोपाल के बाल रोग विभाग ने एपीएनसी 2026 का आयोजन किया, जिसमें कई राज्यों से 128 प्रतिनिधि और संकाय सदस्य शामिल हुए। बच्चों की डायलिसिस और गंभीर गुर्दा रोगों की देखभाल का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण मुख्य आकर्षण रहा। राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति के तहत एम्स भोपाल में एकलुलिजुमैब दवा आनुवंशिकी विभाग के माध्यम से निशुल्क उपलब्ध है। मध्यप्रदेश में बच्चों में इसका पहला उपयोग यहीं हुआ और बच्चे अब रोगमुक्ति की

स्थिति में है। पिछले कुछ वर्षों में एम्स भोपाल में एचयूएस से पीड़ित 30 बच्चों का उपचार हुआ, जिनमें से 85 प्रतिशत स्वस्थ हैं। सिस्टिनोसिस से पीड़ित बच्चों को भी निशुल्क दवाएं मिल रही हैं। प्रदेश की पहली समर्पित बाल डायलिसिस यूनिट में बीते एक वर्ष में 65 बच्चों की हीमोडायलिसिस हुई और 1,500 से अधिक सत्र संपन्न हुए। एम्स भोपाल की बाल गुर्दा रोग सेवा छह वर्ष के सहयोग के बाद आईएसएन सिस्टर रीनल सेंटर कार्यक्रम से उत्तीर्ण हुई है और अब दूसरे केंद्रों की सहायक संस्था बनेगी।

मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की संयुक्त बैठक ने महिलाओं से जुड़े प्रताड़ना और दहेज मामलों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की संयुक्त बैठक ने महिलाओं से जुड़े विभिन्न गंभीर मामलों की सुनवाई की। बैठक के समक्ष कुल 38 प्रकरणों में आवेदक और अनावेदक उपस्थित हुए। इनमें महिला प्रताड़ना, दहेज प्रताड़ना, घरेलू अत्याचार, दुष्कर्म, यौन शोषण, हिंसा, हत्या और विभागीय विवाद सहित अन्य मामले शामिल थे। आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव, सदस्य श्रीमती साधना स्थापक ने प्रकरणों की सुनवाई करते हुए संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान महिला प्रताड़ना के 10, दहेज प्रताड़ना के 5, घरेलू अत्याचार के 5 और दुष्कर्म के 3 प्रकरण सामने आए। इसके अलावा मारपीट, विभागीय प्रकरण, पारिवारिक विवाद, हत्या, यौन शोषण, हिंसा और अन्य श्रेणी से संबंधित एक-एक प्रकरण की भी सुनवाई हुई। आयोग ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद प्रकरणों की प्रकृति के अनुसार संबंधित अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। संयुक्त बैठक के समक्ष कार्यस्थल प्रताड़ना से जुड़ा एक मामला आया, जिसमें एक स्टाफ नर्स ने अस्पताल की प्रभारी मेडन और वार्ड इंचार्ज पर लंबे समय से मानसिक प्रताड़ना किए जाने तथा निजी जीवन को लेकर



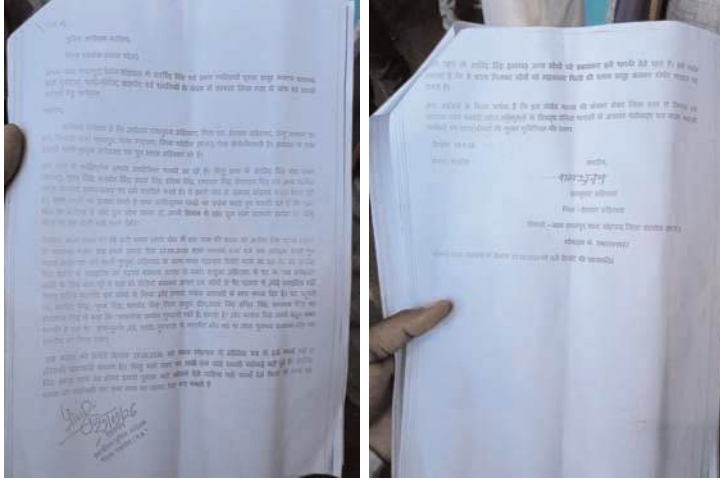
आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के आरोप लगाए। शिकायतकर्ता ने बताया कि स्वास्थ्य संबंधी कारणों से डॉक्टर की सलाह पर नाइट ड्यूटी से राहत मांगे जाने के बाद उसके साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया। नर्स ने संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई के साथ कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग आयोग के समक्ष रखी। दहेज प्रताड़ना के एक अन्य प्रकरण में महिला ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज की मांग को लेकर मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना किए जाने तथा स्त्रीधन और आभूषण अपने पास रखे जाने के आरोप लगाए। महिला ने आयोग को बताया कि उसने पूर्व में पुलिस और महिला थाने में

शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच राजीनामा हुआ, लेकिन महिला के अनुसार विवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। उसने पति द्वारा लगातार संपर्क किए जाने और बिना बताए मिलने आने का भी आरोप लगाया। महिला ने आयोग से मामले में उचित कार्रवाई और न्याय दिलाने की मांग की। आयोग की बैठक ने सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों से तथ्य प्राप्त किए और संबंधित मामलों में नियमानुसार कार्रवाई के लिए आवश्यक निर्देश दिए। आयोग ने स्पष्ट किया कि उसके समक्ष आने वाले मामलों में शिकायतकर्ता और संबंधित पक्षों की बात सुनकर तथ्यों के आधार पर आवश्यक प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है।

शहडोल में दबंगों की प्रताड़ना से त्रस्त दलित परिवार पहुंचा एसपी कार्यालय, फसल रौंदने, मारपीट करने व जान से मारने की कोशिश का आरोप

कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक
(युवा प्रदेश)

शहडोल - शहडोल जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नवलपुर थाना तहसील गोहपारू में एक दलित परिवार को प्रताड़ित करने, खेत में खड़ी फसल को मवेशियों से चरवाने और घर में घुसकर मारपीट करने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित रामभुवन अहिरवार ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है। पीड़ित रामभुवन अहिरवार ने एसपी को सौंपे शिकायती आवेदन में बताया कि ग्राम के सरपंच अरविंद सिंह गोंड, पूरन सिंह, बलबीर सिंह, सदन सिंह, हरिहर सिंह, रामाश्रय सिंह, हीरालाल सिंह और मनोज सिंह समेत अन्य लोग एक राय होकर लगातार उनके परिवार को प्रताड़ित कर रहे हैं। आरोप है कि 26 सितंबर 2026 को आरोपियों ने रामभुवन अहिरवार के खेत में लगे धान की फसल में मवेशी छोड़कर उसे पूरी तरह नष्ट करवा दिया। आवेदन के अनुसार, जब 27 सितंबर को पीड़ित अपनी पत्नी कुसुम और पुत्र भारत के साथ गोहपारू थाने में शिकायत दर्ज कराने जा रहा था, तब रास्ते में आरोपियों ने समझौते का झांसा देकर उन्हें रोक लिया। इसके बाद ग्राम चुहिरा में ललुआ अहिरवार के घर के पास वीडियो बनवाकर जबरन पैर पड़वाए गए और पीड़ित को सपरिवार आगे पीछे बोलेरो गाड़ी से अपने ऑटो गाड़ी में बैठे परिवार की रैकी करते हुए नवलपुर ले आये और सरपंच सहित लोग उनके खेत में ले जाकर चारों तरफ घेरा



बनाकर रामभुवन अहिरवार को बीच में करके लाठी डंडे से सब मारपीट की गई और माफीनामा वीडियो बनाया गया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी उसी रात में लाठी, डंडा, कुल्हाड़ी लेकर उनके घर में घुस आए, दरवाजा तोड़ दिया और गाली-गलौज व जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए मारपीट की। इस दौरान मनोज सिंह पर बंदूक लेकर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। पीड़ित परिवार का कहना है कि उन्होंने

घटना के दिन ही गोहपारू थाने में मौखिक शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आरोपियों द्वारा उनकी दुकान बंद कराने और ऑटो गाड़ियां न चलने देने की धमकियां दी जा रही हैं, जिससे परिवार में जान-माल का भारी भय बना हुआ है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने और परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

थाना रामनगर पुलिस की तत्परता से 24 घंटे के भीतर गुमशुदा युवक सकुशल दस्तयाब, परिजनों ने किया आभार व्यक्त



कैलाश कुमार अहिरवार - सह संपादक
(युवा प्रदेश)

अनूपपुर - पुलिस अधीक्षक श्री विक्रान्त मुराब (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जगनाथ मरकाम तथा एसडीओपी कोतमा श्रीमति आरती शाक्य के मार्गदर्शन में थाना रामनगर पुलिस ने एक गुमशुदगी के मामले में त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई करते हुए गुमशुदा युवक को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों को राहत पहुंचाई है।

दिनांक 26.09.2026 को फरियादिया कुसुमकली साहू, पति समरजीत साहू, उम्र 49 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 04, दुर्गा मंदिर सीधी दफाई, राजनगर द्वारा थाना रामनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनका 23 वर्षीय पुत्र छविलाल साहू दिनांक 25.09.2026 की रात्रि घर से अचानक लापता हो गया है। परिजनों द्वारा आसपास एवं रिश्तेदारी में काफी तलाश करने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला तथा उसका मोबाइल फोन भी बंद मिला। रिपोर्ट के आधार पर

थाना रामनगर में अपराध क्रमांक 275/26, धारा 140(3) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर तत्काल विवेचना प्रारंभ की गई। रिपोर्ट दर्ज होते ही थाना रामनगर पुलिस ने युवक की तलाश के लिए सक्रिय पतासाजी अभियान शुरू किया। तकनीकी जानकारी एवं स्थानीय स्तर पर लगातार की गई खोजबीन के दौरान पुलिस टीम ने गुमशुदा छविलाल साहू को सकुशल दस्तयाब कर लिया। युवक के सुरक्षित मिलने से परिजनों ने राहत की सांस ली और थाना रामनगर पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

प्रकरण में दस्तयाब युवक के कथन कराए जाने सहित आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस टीम थाना प्रभारी सुमित कौशिक, सहायक उप निरीक्षक विनोद नाहर, प्र.आर.विनोद मिंज, आरक्षक मदनोद पटेल की इस कार्रवाई में तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नर्मदापुरम में सेवा संकल्प अभियान के तहत नशामुक्त एवं टीबी मुक्त युवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शासकीय विधि महाविद्यालय में विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने और स्वस्थ समाज के निर्माण का लिया संकल्प,

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम, । सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम द्वारा प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में नशामुक्त एवं टी.बी. मुक्त युवा अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं रासेयो स्वयंसेवकों ने नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। इस अवसर पर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को माई भारत पोर्टल के माध्यम से नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित क्विज प्रतियोगिता में अधिक से अधिक सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में विभागाध्यक्ष श्री शिवाकांत मोर्या ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा युवा पीढ़ी के



भविष्य को अंधकारमय बनाता है। उन्होंने सभी से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंतर्गत कौशल विकास एवं लोकल फॉर वोकल विषय पर विशेष व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के संयोजक

डॉ. अभिषेक सिंह ने कैरियर मार्गदर्शन पर उद्बोधन देते हुए कहा कि विद्यार्थी अपनी रुचि, क्षमता और कौशल को पहचानकर लक्ष्य निर्धारित करें तथा निरन्तर प्रयासों से अपने कैरियर को नई दिशा दें। स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयोजक श्री राजदीप सिंह भदौरिया ने विद्यार्थियों को स्थानीय उत्पादों एवं



स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने, कौशल विकास के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों का सृजन करने तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं गतिविधियों की जानकारी रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेन्द्र कुमार पटेल द्वारा प्रस्तुत की गई।

उन्होंने स्वयंसेवकों से अभियान की भावना को आत्मसात करते हुए नशामुक्ति, स्वास्थ्य जागरूकता, कौशल विकास एवं स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन को जनअभियान का स्वरूप देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय उदयपुरा में जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता संपन्न; महिला व पुरुष वर्ग की टीमों का चयन

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा (रायसेन)। शासकीय महाविद्यालय उदयपुरा में दिनांक 26 सितंबर 2026 को जिला स्तरीय पुरुष एवं महिला शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन प्राचार्य एवं क्रीड़ा अधिकारी श्री पंकज आर्य की अध्यक्षता में किया गया। इस प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय बेगमगंज, गैरतगंज, सिलवानी एवं रायसेन के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

प्रतियोगिता के दौरान महिला एवं पुरुष वर्ग में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जिसके आधार पर संभाग स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों का चयन किया गया।

चयनित टीमों की सूची-

महिला टीम-

1. यामिनी राजपूत
2. रिया जैन
3. नितिका राजपूत
4. मुस्कान विश्वकर्मा
5. सुरक्षा विश्वकर्मा



महिला वर्ग (स्टैंडबाय)-

1. रश्मि राय
2. पुना कुशवाहा
3. वैष्णवी लोधी

पुरुष टीम-

1. आदित्य चतुर्वेदी
2. लकी साहू
3. समर्थ श्रीवास्तव
4. आदित्य दुबे

पुरुष वर्ग (स्टैंडबाय)-

1. अरशान खान
2. अरुण सिंह धुर्वे

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के पश्चात अब ये चयनित विद्यार्थी संभाग स्तर पर अपने महाविद्यालय एवं जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक गण श्री प्रतीक लोधी (मंच संचालन), डॉ. पार्वती व्याघ्रे, गौरव डेरिया, संदीप कुमार भारके, भरत सिंह लोधी अन्य महाविद्यालय से पधारे हुए दल व्यवस्थापक बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्व0लता मंगेशकर को याद किया छात्राओं ने



मथुरा, -भारत रत्न- स्व 0 लता मंगेशकर की जयंती के अवसर पर अमरनाथ गर्लस डिग्री कॉलेज की छात्राएं ने लता जी के गानों पर आधारित नृत्य एवं संगीत का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम -रहें ना रहें हम महका करेंगे- प्रस्तुत किया।

इस कार्यक्रम में लगभग 45 छात्राओं ने लता जी के गाए हर प्रकार के लगभग 22 गानों पर गानों पर अपनी नृत्य, अभिनय एवं गायन की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रमुख समाज सेविका मधु ठाकुर जी का सम्मान भी किया गया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि लता जी के गानों के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय संगीत की मधुरता का एहसास कराने के लिए ऐसे कार्यक्रम आवश्यक हैं। कर संस्थान के अध्यक्ष डॉ० आदित्य वाजपेयी ने कहा कि लता मंगेशकर जी ने 1940 से 2022 तक विभिन्न भावों, भाषाओं के हजारों गाने गाए। विशिष्ट अतिथि श्री महेंद्र प्रताप सिंह ने कहा



कि लता जी को %स्वर साम्राज्ञी, % राग की रानी %

कहा गया, पद्म भूषण, पद्म विभूषण, दादा साहब फाल्के, भारत रत्न जैसे सम्मानों से सम्मानित किया गया। श्री चंद्र प्रताप सिकरवार जी ने भी छात्राओं को लता जी के गायन के बारे में बताया। छात्राओं ने लता जी द्वारा गाये विभिन्न युगल गीत, गजल, विरह गीत, कव्वाली, भजन प्रस्तुत किए। मुगल-ए-आजम की कव्वाली तेरी महफिल में किस्मत आजमा कर का मंचन और अभिनय देखते ही बनता था। लग जा गले, छोड़ दे सारी

दुनिया, होठों पर ऐसी बात, नौद कभी रहती थी आंखों में, तेरा जलवा जिसने देखा, आदि गानों की प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा।

संपूर्ण कार्यक्रम का संयोजन डॉ मांडवी राठौर ने किया। नृत्य निर्देश असलम जी का रहा। संचालन डॉ मांडवी राठौर, डॉ पंकज ने किया।

कार्यक्रम में पायल, यति, रेनू, हैरी, श्रेयांश, त्रभूष, सचिन, शिवानी, गरिमा, भावना, प्रार्थना, प्रांजल, प्रियांशी भूमिका की प्रस्तुति उल्लेखनीय रही।



28 सितंबर 2026 शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी की जयंती के अवसर पर स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (स्त्रद्ध) भोपाल इकाई के साथी छक्कू कार्यालय, भोपाल पहुँचे और वर्ग-2 एवं वर्ग-3 के चयनित शिक्षक अभ्यर्थियों से मुलाकात कर उनके आंदोलन का समर्थन किया।

चयनित अभ्यर्थी शिक्षक भर्ती में पदवृद्धि एवं नियुक्ति की मांग को लेकर लंबे समय से आंदोलनरत हैं। वर्ग-2 में 10 हजार पद बढ़ाकर दूसरी काउंसिलिंग तथा वर्ग-3 में 25 हजार पद बढ़ाने की मांग प्रमुख है। अपनी मांगों को लेकर अभ्यर्थी भूख हड़ताल और निर्जला अनशन पर बैठे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को खून से पत्र लिखकर भी अपनी मांगों और पीड़ा से अवगत कराया है। इसके बावजूद भोपाल में चल रहे इस आंदोलन का अब तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ है। स्त्रद्ध चयनित शिक्षक अभ्यर्थियों के संघर्ष के साथ मजबूती से खड़ा है।



पदवृद्धि और नियुक्ति की मांग को लेकर उनके संघर्ष में स्त्रद्ध का समर्थन और एकजुटता लगातार जारी रहेगी।

इस दौरान स्त्रद्ध के राज्य उपाध्यक्ष कॉमरेड दीपक पासवान जी और स्त्रद्ध भोपाल जिला संयोजक सोनू नोनेरिया ने शिक्षक अभ्यर्थियों के आंदोलन का समर्थन किया। आनंद जाटव, शुभम मेहरा, आनंद वंशकार, मनीष राठौरइया सहित अन्य साथी उपस्थित रहे।

अस्पताल में नहीं मिला एम्बुलेंस, तड़पती रही महिला, हुई मौत, नवविवाहिता की मौत पर पति गिरफ्तार

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर कोतमा से।

समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती 60 वर्षीय महिला को चिकित्सकों ने गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया, लेकिन परिजनों के अनुसार एंबुलेंस के इंतजार में महिला करीब चार घंटे तक अस्पताल में दर्द से तड़पती रही। देर शाम एंबुलेंस पहुंचने के बाद महिला को हायर सेंटर ले जाने के लिए शिफ्ट किया जा रहा था, तभी उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल की व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए लापरवाही का आरोप लगाया है।

देवरी निवासी शांतिबाई केवट शुगर एवं सांस संबंधी परेशानी के चलते उनकी पुत्री मोना केवट और दामाद राजू केवट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा लेकर पहुंचे थे। यहां उपचार के दौरान दोपहर करीब 1 बजे चिकित्सकों ने महिला की हालत गंभीर बताते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया।

मृतका की पुत्री मोना केवट के अनुसार रेफर किए जाने के बाद दोपहर करीब 2 बजे से परिजन एंबुलेंस का इंतजार करते रहे। इस दौरान महिला की हालत बिगड़ती रही और वह दर्द से कराहती रही। करीब चार घंटे तक एंबुलेंस नहीं पहुंची। 6 बजे के बाद एंबुलेंस अस्पताल पहुंची। महिला को हायर सेंटर ले जाने के लिए जैसे ही शिफ्ट किया जा रहा था, उसी दौरान उसकी सांस उखड़ गई। दामाद राजू केवट ने स्वास्थ्य विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच कर दोषी पर कार्यवाही की



मांग की है गई है

बीएमओ डॉ के एल दीवान के अनुसार एंबुलेंस उपलब्ध कराने के प्रयास किए गए जो देर से पहुंची। जिस कारण मरीज को परेशानी है।

नवविवाहिता की मौत पर पति को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अनूपपुर जिले के कोतमा थाना अंतर्गत करीब 14 दिन पूर्व नवविवाहिता महिला की मौत के मामले में पुलिस ने आरोपी पति को देहेज प्रताड़ना से हुई मौत के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामला नगर के वार्ड क्रमांक 12 स्थित गोविंद कॉलरी का है।

17 सितंबर को 20 वर्षीय नवविवाहिता नेहा चौहान का शव घर में फांसी के फंदे पर लटका हुआ पाया गया था। घटना के

बाद मायके पक्ष ने उसके पति पर देहेज की मांग को लेकर मारपीट एवं प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप लगाए थे।

बताया गया कि मृतिका नेहा ने करीब छह माह पूर्व पवन चौहान के साथ प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद दोनों आमाकांड कॉलोनी में परिवार के साथ रह रहे थे। मायके पक्ष का आरोप था कि पति द्वारा आए दिन विवाद करते हुए नेहा के साथ मारपीट की जाती थी और देहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित किया जाता था। इस संबंध में थाने में शिकायत किए जाने की बात भी सामने आई थी पुलिस ने मृतिका की मां, पिता, भाई सहित मायके पक्ष के अन्य लोगों के बयान दर्ज किए। विवेचना के दौरान मृतिका के पति द्वारा आए दिन विवाद एवं मारपीट कर प्रताड़ित किए जाने की जानकारी सामने आने पर पति पवन चौहान के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया।

भगत सिंह की 119वीं जयंती पर SFI भोपाल ने आयोजित किया व्याख्यान



भोपाल।

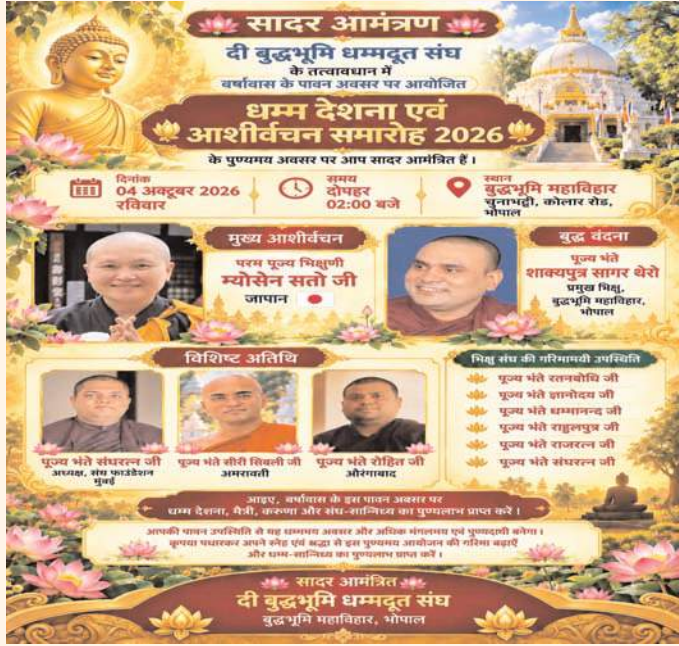
शहीद-ए-आज़म भगत सिंह की 119वीं जयंती के अवसर पर स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (स्त्रटू) जिला भोपाल इकाई द्वारा व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भगत सिंह के जीवन, विचारों, क्रांतिकारी संघर्ष और वर्तमान समय में उनकी प्रासंगिकता पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत शुभम मेहरा, विशाल अहिरवार, प्रमोद अहिरवार और

मनीष राठौरइया द्वारा भगत सिंह की तस्वीर पर माल्यार्पण कर की गई।

कार्यक्रम का संचालन स्त्रटू जिला संयोजक सोनू नोनेरिया ने किया तथा अध्यक्षता साथी आनंद वंशकार ने की। मुख्य वक्ता स्त्रटू राज्य उपाध्यक्ष कॉमरेड दीपक पासवान ने भगत सिंह के विचारों और उनके संघर्ष के विभिन्न पहलुओं पर अपनी बात रखी। वक्ताओं ने कहा कि भगत सिंह का संघर्ष

केवल अंग्रेजी शासन से मुक्ति तक सीमित नहीं था, बल्कि वे शोषण, असमानता और अन्याय से मुक्त समाज की स्थापना के पक्षधर थे। उन्होंने युवाओं से भगत सिंह के विचारों को समझने और वर्तमान परिस्थितियों में उनकी प्रासंगिकता को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर अंकुश शर्मा, प्रत्यक्ष, शुभम मेहरा, आनंद जाटव, प्रमोद अहिरवार सहित अन्य साथी उपस्थित रहे।



बुद्धभूमि महाविहार में 4 अक्टूबर को होगा भव्य 'धम्म देशना एवं आशीर्वचन समारोह 2026'

जापान की परम पूज्य भिक्षुणी म्योसेन सतो जी देंगी मुख्य आशीर्वचन

भोपाल, 01 अक्टूबर 2026।

वर्षावास के पावन एवं पुण्यमय अवसर पर दी बुद्धभूमि धम्मदूत संघ, भोपाल के तत्वावधान में आगामी 4 अक्टूबर 2026, रविवार को दोपहर 2:00 बजे बुद्धभूमि महाविहार, चुनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल में भव्य 'धम्म देशना एवं आशीर्वचन समारोह 2026' का आयोजन किया जा रहा है।

यह समारोह भगवान बुद्ध के मैत्री, करुणा, प्रज्ञा, अहिंसा, शांति एवं मानव कल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा वर्षावास की पवित्र बौद्ध परंपरा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक आयोजन होगा।

जापान से कल भोपाल पहुंचेंगी परम पूज्य भिक्षुणी म्योसेन सतो जी समारोह का प्रमुख आकर्षण जापान की परम पूज्य भिक्षुणी म्योसेन सतो जी का मुख्य आशीर्वचन होगा। वे वर्षावास की आध्यात्मिक महत्ता, धम्म साधना, मैत्री एवं करुणा तथा भगवान बुद्ध के विश्व शांति संदेश पर श्रद्धालुओं को विशेष धम्म मार्गदर्शन प्रदान करेंगी।

उनकी उपस्थिति समारोह को अंतरराष्ट्रीय बौद्ध धम्म-संवाद का विशेष स्वरूप प्रदान करेगी।

समारोह का शुभारंभ पूज्य भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो, प्रमुख भिक्षु, बुद्धभूमि महाविहार, भोपाल द्वारा बुद्ध वंदना के साथ किया जाएगा। बुद्ध, धम्म और संघ के प्रति श्रद्धा एवं समर्पण के साथ समारोह की आध्यात्मिक यात्रा प्रारंभ होगी। समारोह में प्रमुख रूप से-

* पूज्य भंते संघरत्न जी - अध्यक्ष, संघ फाउंडेशन, मुंबई * पूज्य भंते सीरी सिवली जी - अमरावती * पूज्य भंते रोहित जी - औरंगाबाद विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

इसके अतिरिक्त भंते रतनबोधि जी, भंते ज्ञानोदय जी, भंते धम्मनन्द जी, भंते राहुलपुत्र जी, भंते राजरत्न जी, भंते संघरत्न जी सहित अन्य पूज्य भिक्षुगण एवं धम्मनुयायी समारोह में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करेंगे।

बौद्ध परंपरा में वर्षावास केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, ध्यान-साधना, धम्म-अध्ययन, शील-संवर्धन और संघ-सान्निध्य के माध्यम से आध्यात्मिक जीवन को अधिक सुदृढ़ बनाने का महत्वपूर्ण अवसर है।

इसी पवित्र भावना के साथ आयोजित यह समारोह श्रद्धालुओं को धम्म श्रवण, भिक्षु संघ का सान्निध्य और मैत्रीपूर्ण आध्यात्मिक वातावरण प्रदान करेगा।

समारोह के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में उतारने, मैत्री और करुणा का विकास करने तथा समाज में शांति, सद्भाव और मानवता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया जाएगा। भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो ने भोपाल के सभी उपासक-उपासिकाओं, बौद्ध अनुयायियों एवं धम्मप्रेमी नागरिकों से इस पावन समारोह में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी होकर धम्म देशना, संघ-सान्निध्य एवं पुण्यलाभ प्राप्त करने का सादर अनुरोध किया है।

? कार्यक्रम विवरण

कार्यक्रम- धम्म देशना एवं आशीर्वचन समारोह 2026

दिनांक- 04 अक्टूबर 2026, रविवार

समय- दोपहर 02:00 बजे

स्थान- बुद्धभूमि महाविहार, चुनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल

आयोजक- दी बुद्धभूमि धम्मदूत संघ, भोपाल

शासकीय विधि महाविद्यालय नर्मदापुरम में गांधी जयंती पर शपथ एवं संकल्प कार्यक्रम आयोजित

विद्यार्थियों ने ली आत्मनिर्भरता, स्वच्छता और श्रम की गरिमा की शपथ, नशामुक्त समाज के निर्माण का लिया संकल्प



पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम,
02 अक्टूबर। शासकीय विधि
महाविद्यालय नर्मदापुरम में प्राचार्य डॉ.
कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में गांधी

जयंती के अवसर पर शपथ एवं संकल्प
कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं राष्ट्रीय सेवा
योजना के स्वयंसेवकों को आत्मनिर्भरता,

स्वच्छता तथा श्रम की गरिमा के प्रति
जागरूक किया गया तथा प्रत्येक सप्ताह
श्रमदान करने की शपथ दिलाई गई।
इस अवसर पर विद्यार्थियों ने शांति,
अहिंसा, भाईचारा एवं सामाजिक सद्भाव
की भावना को सुदृढ़ करने तथा नशे से
दूर रहकर स्वस्थ, स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं
नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय
सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।
कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष श्री शिवाकांत
मौर्या, स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन
प्रकोष्ठ के संयोजक श्री राजदीप सिंह
भदौरिया एवं भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ
के संयोजक डॉ. अभिषेक सिंह की
सक्रिय सहभागिता रही।
शपथ ग्रहण के पश्चात महाविद्यालय प्रांगण
में स्वच्छता अभियान चलाया गया,
जिसमें विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने
उत्साहपूर्वक श्रमदान किया और स्वच्छता,
सामाजिक उत्तरदायित्व एवं गांधीवादी
जीवन-मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता
व्यक्त की।

स्व. माधवराव सिंधिया की पुण्यतिथि पर विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी ने अर्पित किए श्रद्धासुमन



रायसेन।

श्री राम परिसर में बुधवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ नेता स्वर्गीय श्री
माधवराव सिंधिया की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया
गया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांची विधानसभा
क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने स्वर्गीय माधवराव
सिंधिया के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया।
कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा (बबलू भैया), भाजपा
पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जमना
सेन, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष दातार सिंह मीणा, भाजपा के मंडल अध्यक्ष
वीर सिंह लोधी, मेला समिति अध्यक्ष बृजेश चतुर्वेदी सहित अनेक भाजपा
पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।
इस दौरान वीर सिंह पटेल, राज मीणा, राजेंद्र सिंह राठौड़ 'राजू भैया', अंशुल
शर्मा, भगवानदास लोहट, एल्डरमैन जगदीश अहिरवार, विश्वास रैकवार,
लीलाकिशन मीणा, गोविंद महाराज, हर्ष पटेल, विकास लोहट, विवेक
लोहट, राधेश्याम अहिरवार, बबलू चौधरी, राहुल कुशवाहा, प्रदीप गढवाल,
तनवीर राठौरिया, बनवारी लाल मीणा, प्रेमचंद अहिरवार, बालेलाल
सूर्यवंशी, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जन जागरण समिति की कमान एमएल राठौरिया को खरगावली सामुदायिक भवन में हुई बैठक, पदाधिकारियों एवं समाजजनों की मौजूदगी में हुआ मनोनयन



रायसेन। सामुदायिक भवन खरगावली में अंबेडकर जन जागरण समिति की महत्वपूर्ण
बैठक आयोजित की गई। बैठक में रायसेन नगर, तहसील एवं जिले के विभिन्न क्षेत्रों
से समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं समाजजन शामिल हुए। बैठक में समिति के
आगामी सामाजिक एवं जनजागरण कार्यों को लेकर चर्चा के साथ अध्यक्ष पद के चयन
की प्रक्रिया संपन्न हुई। अध्यक्ष पद के लिए प्रताप सिंह जाटव द्वारा प्रस्ताव रखा गया,
जिसका भगवानदास लोहट एवं बबलू चौधरी ने समर्थन किया। इसके बाद विमलेश
जाटव सहित उपस्थित सदस्यों की सहमति से एमएल राठौरिया को डॉ भीमराव अंबेडकर
जन जागरण समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

मनोनयन के दौरान समिति के संस्थापक सदस्य डॉ. बीएस अहिरवार एवं डॉ. एचबी
सेन सहित अन्य वरिष्ठ सदस्य एवं समाजजन उपस्थित रहे। सदस्यों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष
को शुभकामनाएं देते हुए समिति के सामाजिक सरोकारों और जनजागरण गतिविधियों
को निरंतर आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की।

बैठक में एमएल राठौरिया, डॉ. बीएस अहिरवार, जगदीश अहिरवार, बबलू चौधरी, डॉ.
एचबी सेन, डॉ शरद चौधरी, प्रताप सिंह जाटव, विमलेश जाटव, अमन सिंह अहिरवार,
राम प्रसाद राज, इमरत सिंह जाटव, कडोरी लाल अहिरवार, भगवानदास लोहट, प्रेमचंद
अहिरवार, विकास लोहट प्रताप राठौरिया, इमरत लाल जाटव, शिवराज अहिरवार,
मुकेश लारिया सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

देवरी में भीषण आग से तीन दुकानें और मकान जलकर राख, लाखों का नुकसान

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

देवरी (रायसेन)। नगर देवरी में बुधवार
शाम करीब 7 बजे उस समय अफरा-
तफरी मच गई, जब एक कपड़े की दुकान
में अचानक भीषण आग लग गई। देखते
ही देखते आग की तेज लपटों ने आसपास
की दो अन्य दुकानों और पीछे स्थित मकान
को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस
दर्दनाक हादसे में तीनों दुकानें और एक
पुश्तैनी कच्चा मकान पूरी तरह जलकर
खाक हो गए।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका
प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग
सबसे पहले कपड़ा व्यापारी भास्कर छीपा
की दुकान में भड़की थी। आशंका जताई
जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण
लगी। हालांकि, आग लगने के वास्तविक
कारणों का पता जांच के बाद ही चल
सकेगा। आग इतनी भीषण थी कि दुकानों
में रखा सारा सामान जलकर स्वाहा हो
गया। प्राथमिक अनुमान के मुताबिक इस
हादसे में करीब 40 से 50 लाख रुपये
का सामान जलकर खाक हुआ है।

ढाई घंटे की कड़ी मशकत के बाद पाया
गया आग पर काबू
आग की लपटें इतनी तेज थीं कि नगर
परिषद देवरी की फायर ब्रिगेड को इसे



बुझाने में कड़ी मशकत करनी पड़ी। स्थिति
की गंभीरता को देखते हुए तत्काल उदयपुरा
से भी फायर ब्रिगेड बुलाई गई। दोनों
दमकलों ने दो-दो बार पानी भरकर प्रेशर
से आग पर पानी डाला। करीब ढाई घंटे
की कड़ी मशकत के बाद आखिरकार आग
पर पूरी तरह काबू पाया जा सका।
पीड़ित ने बयां किया दर्द
मकान मालिक और व्यापारी बाबू भाई
बुनकर ने बताया कि आग की लपटें
दुकानों से फैलते हुए पीछे स्थित उनके
पुश्तैनी कच्चे मकान तक पहुँच गईं। देखते



ही देखते उनकी तीनों दुकानें और पुश्तैनी
घर पूरी तरह से जलकर स्वाहा हो गया।
प्रशासन से मुआवजे की मांग
हादसे के दौरान मौके पर काफी देर तक
अफरा-तफरी का माहौल रहा। घटना की
सूचना मिलते ही पुलिस विभाग, नगर
परिषद और राजस्व विभाग की टीम मौके
पर पहुँची। इतनी बड़ी त्रासदी के बाद
स्थानीय नागरिकों और पीड़ितों ने शासन-
प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार
को जल्द से जल्द उचित मुआवजा दिया
जाए।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी और वाहन दुर्घटनाओं में मृत्युदर को कम करने कार्यशाला

भोपाल।

विगत वर्ष प्रदेश में हुई सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर को कम करने एवं सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों को शासन द्वारा लागू की गई विभिन्न प्रकार की शासकीय योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सहायता, केशलेस उपचार सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश की विभिन्न जिला इकाईयों के पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षित किये जाने हेतु अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री मोहम्मद शाहिद अब्साद के निर्देशानुसार पुलिस परिवहन शोध संस्थान (पीटीआरआई) भोपाल में विषय 'यातायात रिफ्रेश कोर्स' पर 29 और 30 सितम्बर को दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में मध्यप्रदेश के सभी जिला इकाईयों से रक्षित निरीक्षक से लेकर आरक्षक स्तर तक के पुलिस अधिकारियों को 2 दिवसीय आफलाइन प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ उप पुलिस महानिरीक्षक पीटीआरआई श्री टी. के. विद्यार्थी द्वारा किया गया। श्री टी. के. विद्यार्थी द्वारा विषय प्रदेश में होने वाली



वाहन दुर्घटनाओं का विश्लेषण एवं उनकी रोकथाम करने के संबंध में कार्य योजना तैयार करना तथा शासन द्वारा प्रदेश में लागू की गयी विभिन्न प्रकार की शासकीय योजनाओं हिट एण्ड रन योजना, राहवीर योजना, पी. एम. राहत योजना आदि योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी जाकर योजनाओं के व्यापक रूप से प्रभावी प्रचार-प्रसार करने हेतु सभी पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

इस प्रशिक्षण सत्र में व्याख्याता श्री देवेन्द्र सिंह यादव, एसोपी यातायात, भोपाल द्वारा वाहन पार्किंग के प्रकार एवं उनकी व्यवस्था, सड़क उपयोगकर्ताओं का व्यवहार विषय पर, व्याख्याता डॉ. आशीष



शर्मा द्वारा सड़क दुर्घटना में पीड़ितों को आपातकालीन चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने संबंधी विषय पर, श्री एस.एस.लल्लू से.नि. अति.पु.अधी. द्वारा मोटरयान अधिनियम एवं केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम एवं नियम संबंधी विषय पर, व्याख्याता श्री रविशंकर ब?ट्टी, उपनिरीक्षक यातायात पुलिस भोपाल द्वारा यातायात प्रवर्तन की नवीन तकनीकों, आधुनिक यातायात उपकरणों, नवीन टेक्नोलॉजी की जानकारी जैसे-ब्लूटूथ, ड्राइवर, इन्टरसेप्टर व्हीकल, स्पीड रडार गन, ब्रीथ एनालाइजर आदि जैसे नव प्रयोगों के बारे में व्यापक रूप से प्रशिक्षण में उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया।

बच्चों में वैज्ञानिक सोच बढ़ाएं और अंधविश्वास व पाखण्ड से दूर रखें

बच्चों को अंधविश्वास से बचाने का सबसे अच्छा तरीका डराना नहीं, बल्कि सवाल पूछना सिखाना है।

10 से 15 साल की उम्र में बच्चा तर्क करना सीखता है। इस उम्र में तीन बातें बहुत काम आती हैं।

पहला - सवाल को रोकें नहीं। बच्चा पूछे 'ऐसा क्यों होता है?' तो 'भगवान नाराज होंगे' कहकर चुप मत कराइए। कहिए 'चलो साथ पता करते हैं।'।

दूसरा - धर्म और अंधविश्वास में फर्क बताएं। धर्म हमें अच्छा बनाना, सच बोलना सिखाता है। अंधविश्वास हमें डर से गलत फैसले करवाता है, जैसे बिल्ली के रास्ता काटने पर काम रोक देना।

तीसरा - अनुभव से सिखाएं। रात में पीपल के पेड़ से डर लगे तो दिन में उसी पेड़ के नीचे ले जाएं। चंद्रग्रहण, दिन-रात क्यों होते हैं, इसके वैज्ञानिक वीडियो दिखाएं। बेटियों को ख़ास तौर पर हिम्मत दें। उन्हें 'ये मत करो' की जगह 'तू खुद फैसला ले सकती है' कहना ज्यादा असरदार है। सावित्रीबाई फुले, कल्पना चावला, डॉ. कलाम, बाबा साहब अम्बेडकर जैसे लोगों की जीवनियाँ बच्चों को जरूर पढ़ाएं।

एक छोटा प्रयोग - घर में 'मेरे सवाल'



नाम की डायरी रखें। बच्चा रोज एक सवाल लिखे और रविवार को साथ बैठकर उसका जवाब ढूँढ़ें। इससे पढ़ने की आदत भी बढ़ेगी और पिता-बेटी का रिश्ता भी मजबूत होगा।

मंत्र एक ही है - डराओ मत, समझाओ। शिक्षिका

भारती
आइडियल पब्लिक स्कूल, भोपाल

मध्यप्रदेश के दिल से प्रकृति और रोमांच के सफर पर निकले 22 राइडर्स, एडवेंचर टूरिज्म को मिली नई रफ्तार

1,520 किलोमीटर की मोटरसाइकिल यात्रा को अपर प्रबंध संचालक डॉ. बेडेकर ने दिखाई हरी झंडी

भोपाल।

मध्यप्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 10 दिवसीय विशेष मोटरसाइकिल एक्सपेडिशन का शुभारंभ हुआ। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के अपर प्रबंध संचालक डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने हरी झंडी दिखाकर 1,520 किलोमीटर लंबी इस यात्रा को भोपाल से रवाना किया। यह यात्रा पर्यटकों को प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य, घने जंगलों, ऐतिहासिक विरासत और समृद्ध संस्कृति से सीधे जोड़ने का माध्यम बनेगी। देश के 9 राज्यों और फ्रांस से जुटे 22 साहसी राइडर्स इस अभियान में देश-विदेश के कुल 22 राइडर्स भाग ले रहे हैं। इनमें महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और केरल के प्रतिभागी शामिल हैं। यात्रा में फ्रांस के पेरिस से आई 55 वर्षीय महिला राइडर फैबिएन क्रिस्टीन जैनिन इधुपुइस विशेष रूप से शामिल हुई हैं। वे प्रदेश के प्राकृतिक और वन्य जीव स्थलों को दोपहिया वाहन से करीब से देखने को लेकर बहुत उत्साहित थी।

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड और रॉयल एनफील्ड की 2 साल की साझेदारी



यह फ्लैग-ऑफ मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड और रॉयल एनफील्ड के बीच 2026 से 2028 तक चलने वाली दो वर्षीय रणनीतिक साझेदारी की औपचारिक शुरुआत है। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में अनुभव-आधारित और जिम्मेदार पर्यटन (रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म) को बढ़ावा देना है। दोनों संस्थाएं मिलकर नए क्यूरेटेड रूट्स तैयार करेंगी, जिससे न केवल पर्यटन के नए आयाम स्थापित होंगे, बल्कि

स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर भी सृजित किए जाएंगे। पंचमढ़ी से पन्ना तक का मनोरम यात्रा मार्ग 1 से 10 अक्टूबर 2026 तक चलने वाली इस नौ दिवसीय यात्रा का मार्ग भोपाल से शुरू होकर पंचमढ़ी, पेंच, कान्हा, बांधवगढ़ और पन्ना होते हुए पुनः भोपाल पर समाप्त होगा। अभियान में शामिल राइडर्स हाल ही में लॉन्च हुई रॉयल एनफील्ड बुलेट 650 पर सवार होकर

पहाड़ी, वनाच्छादित और दुर्गम रास्तों का अनुभव करेंगे। इस यात्रा का भव्य समापन भोपाल में आयोजित होने वाले 7वें मध्यप्रदेश ट्रेवल मार्ट (एमपीटीएम) 2026 के विशेष समारोह में किया जाएगा। वन्य जीव संरक्षण और समृद्ध जनजातीय विरासत का जीवंत अनुभव यात्रा के दौरान प्रतिभागियों को पेंच, कान्हा और बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कोर-जोन में सुबह की विशेष जीप सफारी का

अनुभव कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, दल को स्थानीय समुदायों की जीवन शैली, पारंपरिक मिट्टी के बर्तन बनाने की कला, स्थानीय हस्तशिल्प और विश्व प्रसिद्ध बैगा जनजातीय कला से भी रूबरू कराया जाएगा। इन गतिविधियों के माध्यम से पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के बीच आत्मीय संवाद स्थापित होगा।

भविष्य में तैयार होंगे नए टूरिज्म कॉरिडोर और हेरिटेज ट्रेल्स आगामी दो वर्षों में इस साझेदारी के अंतर्गत राज्य में ऑफ-रोड ट्रेल, हेरिटेज राइड्स और सुंदर प्राकृतिक मार्गों पर आधारित नए मोटरसाइकिल रूट्स विकसित किए जाएंगे। इसका प्राथमिक ध्येय प्रमुख पर्यटन केन्द्रों को अनछुए और दूरस्थ दर्शनीय स्थलों से जोड़ना तथा पर्यावरण और स्थानीय संस्कृति के संरक्षण के प्रति यात्रियों को जागरूक करना है।

इस अवसर पर टूरिज्म बोर्ड के संयुक्त निदेशक डॉ. संतोष श्रीवास्तव और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय (आईजीआरएमएस) के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे सहित पर्यटन बोर्ड एवं रॉयल एनफील्ड के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।